

38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता का समापन, पूर्व रेलवे बना चैंपियन

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक ने विजेता पूर्व रेलवे को ट्रॉफी प्रदान की

चतुरंग परंपरा से प्रेरित शतरंज धैर्य, दूरदर्शिता एवं सटीक निर्णय क्षमता विकसित करता है: महाप्रबंधक

14 ग्रैंडमास्टर और 17 इंटरनेशनल मास्टर सहित 16 टीमों के 91 खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे में आयोजित 38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता 2026-27 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह रेलवे स्टेडियम, जबलपुर में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने टीम स्पर्धा में विजेता पूर्व रेलवे को ट्रॉफी प्रदान की तथा पूर्व रेलवे, उपविजेता दक्षिण पूर्व रेलवे एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दक्षिण रेलवे की टीमों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में ग्रैंडमास्टर दास सयंतन ने 6 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इंटरनेशनल मास्टर उत्सव चटर्जी एवं ग्रैंडमास्टर विशाख एन. आर. ने 5½ अंक हासिल किए।

समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत की प्राचीन चतुरंग परंपरा से विकसित शतरंज केवल चालों का खेल नहीं है, बल्कि यह धैर्य, दूरदर्शिता, अनुशासन, साहस और विषम परिस्थितियों में सही समय पर सटीक निर्णय लेने की कला सिखाता है। ये गुण रेलवे के कार्यक्षेत्र में भी सफलता एवं उत्कृष्टता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने भारतीय रेल द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, पश्चिम मध्य रेलवे के खिलाड़ियों को भविष्य में शतरंज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय रेल एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

व्यक्तिगत स्पर्धा के विजेताओं ने पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा प्रतियोगिता के उत्कृष्ट आयोजन तथा खिलाड़ियों के लिए की गई आवास, भोजन, परिवहन एवं अन्य व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए इच्छा व्यक्त की कि आगामी शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन पुनः पश्चिम मध्य रेलवे में किया जाए। उन्होंने पश्चिम मध्य रेलवे की शतरंज टीम को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में टीम बेहतर प्रदर्शन कर नई उपलब्धियाँ हासिल करेगी।

पश्चिम मध्य रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री मनोज गुरुमुखी ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अंतर-रेलवे प्रतियोगिताएं विभिन्न क्षेत्रों के रेलकर्मियों को साझा मंच प्रदान करती हैं, जिससे आपसी सौहार्द, खेल भावना और रेलवे परिवार की एकता मजबूत होती है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले निर्णायकों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों तथा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पश्चिम मध्य रेलवे के खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में शतरंज के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई उपलब्धियाँ हासिल करेंगे तथा सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दें।

उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित बौद्धिक महाकुंभ में भारतीय रेल की 16 प्रमुख टीमों के 14 ग्रैंडमास्टर और 17 इंटरनेशनल मास्टर सहित कुल 91 खिलाड़ियों ने भाग लेकर उच्च स्तरीय खेल भावना व कौशल का परिचय दिया।

समापन समारोह में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री अरविंद कुमार रजक, पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री मनोज गुरुमुखी, महासचिव श्री ज्ञान प्रकाश शिव नारायण, सचिव महाप्रबंधक श्री जे पी सिंह सहित मुख्यालय एवं जबलपुर मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी, खेलकूद संघ के पदाधिकारी, रेलकर्मि एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।